प्रिय भाइयों,

मई महीने की संदेश -पत्र अफ्रिका दौरे के कारण देरी हुई । 36 दिनों तक हम समय के भिन्नता होते हुए भी हमने लगातार सेवाकाई की , आष्ट्रेलिया पहुँचने पर हमें सुधरने के लिए कुछ दोनो की जरूरत पड़ी ।

जब बड़ी चुनौतो मिली, आशिष मिली और धनी बने हमरी सेवाकाई की पूर्व और मध्य अफ्रिका के दौरे के दौरान और विशेषकर कमपला में कुछ दिन और नाईरोबी और पश्चिम केनिया के रहने के समय । हमने यीशु में जो मसीह है, हमने आत्मा के बड़ौती और ज्ञान में प्रकाश अनूभूति की, **इफीसियों** 1ः 7 । हम घर आत्मा में शान्त होकर और प्राणों में नम्र होकर जैसे प्रभु ने हमारे जिवन में कार्य की और महारे द्वारा अफ्रिका में भाईयों की सेवाकाई कि, भाईयों से भी हमें बहुत कुछ मिला ।

पावल गेलिगन

*** *** *** ***

जागृति संदेश

रिभाइबल मिनिष्ट्रिज ऑफ आष्ट्रेलिया कि ओर से

P.O. Box 2718 BC TOOWOOMBA Q4350 Australia
Phone: 61-7-46130633; e-mail: rma@revivalministries.org.au
Website: www.revivalministries.org.au

****** MAY 2007 **** मई 2007 **** MAY 2007 **** मइ 2007 ******

मेरे विषय में लोंग क्या कहते हैं?

उन दोनों में, कुछ लोंगो ने कहा "यूहन्ना, एलिया, यर्मिया और भविष्यद्वक्ताओं में से एक" । मै आश्चर्य करता हूँ आज बहुतेरे क्या कहेंगे ? यदि आप एक विश्वासी से पुछेंगे, 'यीशु मसीह कौन है' ? वे जबाब देंगे 'उद्धारकर्ता' ! अन्यजाति विश्वासीयों के मध्य में थोड़े ही समझ है ऐतिहासिक गहराई जो प्रकाश पतरस को मिली और घोषना की **मत्ती** 16ः 16 में ***"तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसायाह (मसीह) है"***।

अधिकतर अन्यजातिय बाईबल ने साधरणतः *'मसायाह '* को *'क्राईष्ट ' (मसीह)* अनुबाद किया है जो ग्रीक से होता है 'ख्रीष्टोस' । जबकि यह शब्द का मूलार्थ हीब्रू शब्द में *'मसीह '* का जैसा ही है, यीशु का मसीह पदवी, अन्यजाति मसीही सोच में कोई अन्तर नज़र नही आता । अंग्रेजी हिब्रू बाईबल, नयाँ नियम ने कभी भी *'क्राईष्ट'* शब्द प्रयोग नही किया है जब कि यीशु को *'मसीह '* बताया है, और साधरणतः यहूदी जिन्होंने यीशु मे विश्वास की मेसानिक झण्डों की गठन की, अन्यजाति मसीही कलीसियायों के साथ न मिलने के लिए। यह आंशिक है, यहुदी विरोधी भावना के कारण जो कुछ अन्यजति मसीही कलीसियाएँ कई शब्तादीओं से अभ्यास कर रही है। तो भी खतरा इस विषय का है समझ के कभी होने के कारण अन्यजाति विश्वासीयों में कि *"मसीह कौन है ? "*

मसीह

'मसीह' #SC 5547 ग्रीक *'ख्रीष्टोस'* #5548 मतलब पोतना अथवा तेल से मलना , (उदाहरणतः उलझन से) एक अधिकारी को प्रतिष्ठा देना अथवा धार्मिक सेवा, अनुवाद अभिषेक।

'ख्रीष्टोस' का अर्थ होता है मसीह, यीशु का एक उपाधि, अनुवाद हुआ क्राईष्ट।

स्ट्रांग क़ानकोर्डेन्स का यह सही दावा है जो नेलसन्स कॉम्फोर्ट द्वारा मुद्रीत 1995 ।

एक 'उपाधि' वर्णन करने का एक अतिरिक्त शब्द अथवा नाम है और यह अन्यजाति कलिसिया में आए ऐतिहासिक समस्या को स्पष्ट करता हॅ *'यह जानने के लिए यीशु कौन है'* । क्राइष्ट (मसीह) एक उपाधि बना जो केवल यीशु के नाम के लिए , **ना कि एक प्रगटीकरण यीशु कौन है !**

मसायाह (मसीह)

'मसायाह ' #SC 4899 हीब्रू । 'मसीयाक ' #4886 से तेल से मलना, उदाहरण;- अभिषेक करना (उलझन से), प्रतिष्ठ देना ।

मसीयाक का अर्थ है अभिषिक्त , साधरणतः एक अभिषेक किया गया व्यक्ति (एक राजा अथवा याजक), विशेषकर *मसीह* अनुवाद *अभिषिक्त* । किंग जेम्स व्हर्शन में मसीह केवल दो बार प्रयोग किया, पूराने नियम में और दो बार , नयाँ नियम में हीब्रू शब्द इस प्रकार आगे बड़ा ।

मसीह वायदा किया गया राजा, छुटकारा देनेवाला

शब्द मसायाह , क्राइष्ट (मसीह) में अनुवाद किया गया अनेक अन्य जाति बाईबलों में अर्थ बनता है **आयुक्ति पाया हुआ**, अभिषिक्त, परन्तु **दाउद का महान पुत्र** जो वायदा किया गया था को ही सम्बोधन करता है (2 **समुएल** 7 :12-14,16) दाउद के राजगद्दी पर चड़ने के लिए और सर्वदा राज करने के लिए ; इसलिए ***"मसीह वह वायदा किया गया राजा है जो परमेश्वर के लोगों को उनके शत्रुओं से छुड़ाएगा"*** । यहूदी नयाँ नियम में, अंग्रजी शब्द 'saviour'सेव्ह्यर (उद्धारकर्ता) को **छुड़ानेवाला** अनुवाद किया है । दोनों शब्द धार्मिक अनुवाद हैं परन्तु मै चहाता हूं कि हम जानना शुरू करें ऐतिहासिक यहूदीयों का कल्पना मसीह के विषय में बहुत शक्तिशाली (सेना से भी बड़कर) -वह सामर्थी छुड़ानेवाला होगा !

मसीह में यहूदी और अन्य जाति एक साथ

रोमियों 11 में, पौलुस यहूदीयों के उन अधिक संख्यक के विषय में बातें करते हैं जिन्होंने यीशु को मसीह को पहली शताब्दी में ग्रहण नहीं किया । उस समय ***अनुग्रह से चुने हुए कितने बाकी हैं*** बचाए गए 5 **पद** । यहूदीयों के पतन के दौरान, ***"अन्यजातियों को उद्धार मिला, कि उन्हें जलन हो "*** (**पद** 11) । तथापि इतिहास में , मसीही कलीसिया गिर गई झूठा सिधान्त में फस गई, पापों में यहूदीयों के हाथों सतावट भूगतनी पड़ी । अब युग के अन्त में यीशु , जो कलीसिया का सिर है , कलीसिया को पुनः स्थापित कर रहा है और कलीसिया को उसका प्रतापि दूल्हीन कलीसिया होने के लिए तैयार कर रहा है **इफिसियों** 5:26-27 । कलीसिया मिरास में संगी वारिस है **इफिसियों** 3:6 और 2 :14-16 , और अन्तिम सच्ची कलीसिया उभरकर आएगी जो यहूदी मत के मसीही और अन्यजाति मसीहियों (ऐसे नाम निश्चय गायब होगी) की एक सच्ची

संगती होगी । यहूदी जो पूराने नियम के विश्वास में बने हुए हैं , अभी भी मसीह उन्हें छुड़ाने की बाट जो रहे हैं । जलन से चिढ़ेंगे जब कलीसिया जानना शुरू करेगी कि यीशु मसीह है । जब अन्यजाति विश्वासी ***यीशु जो मसीह है प्रचार करेगी और सिखाएगी*** लगातार सच्चाई से, भिड़ो में और प्रत्येक घर में (**प्रेरित** 4: 42), यहूदी लोंग सुनेंगे और प्रभावित होंगे । कलीसिया के शुरूआत के दिनों से बड़कर जब पहले-पहले प्रेरित लोंग प्रचार करते और सिखातथ्थे कि यीशु ही मसीह है और प्रमाण करते थे कि ***"परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रुस पर चड़ाया प्रभु भी ठहराया और मसीह भी"*** (**प्रेरित** 2:36), यह रहस्य का प्रकाश साफ होगा जो फिर से समझाया गया और प्रेरित लोंग ***मसीह के अगम्य धन का सुसमाचार सुनाते*** कि *रसस्य की संगती* समझाया जाए (**इफिसियों** 3: 3, 8–9) दोनों यहूदी और अन्यजाति को मसीह की देह में साथ-साथ लेने के लिए ।

<u>**मसीह कौन है?**</u>

मसीह वायदायुक्त राजा है, जो अभिषिक्त है, अभिषिक्त जो दाऊद की राजगद्दी में बैठेगा और सदा राज्य करेगा । पहला साफ-साफ निर्देश जो राज करेगा **उत्त्पती** 49: 10 में हैं, जहाँ याकुब ने अपना बेटा यहूदा के विषय में भविष्यद्वाणी की जो अन्तिम समय पूरा होने वाला था । उसने कहा ***जब तक शीलो की जगह*** (शीलो की जगह सवाहीली बोाईबल बताती है वह जो राज्य करेगा -इसका सचमुच अर्थ यही बनता हैं) ***न आए तब तक न तो यहूदा से राज दण्ड*** (अधिकार की छड़ी, यूगांडा की बाईबल में निर्देश किया गया है प्रधान का भाला) ***"छूटेगा न उसके वंश से व्यवस्था देनेवाला अलग होगा और राज्य-राज्य के लोंग उसके अधिन हो जायेंगे"***। जो राज्य करने के लिए आनेवाला था, वह यहूदा वंश से आने वाला था, लेकिन **"वह सब को राज्य करने के लिए आएगा"** । भविष्यद्वाणी के समय याकूब के केवल बारह बेटे थे; इस्राएल न तो कोई राज्य था ना ही यहूदा गोत्र प्रगट हुआ था । कुछ भी हो, भविष्यद्वाणी एकदम साफ था ; महान शासक यहूदा गोत्र से आएगा और उसके आने से पहले शासक का राज्यदण्ड यहूदा में स्थिर होगी । इसलिए, परमेश्वर ने काम करने के लिए दाऊद को चूना राजा होने के लिए और वायदा की कि उसके घराने से एक दाऊद की राजगद्दी पर सर्वदा राज करेगा ।

<u>**दाऊद का वायदायुक्त पुत्र**</u>

प्रेरित 2: 30-31 में पतरस दाऊद के घराने से मसीह का राज्य-विस्तार के विषय में दो बार गवाही प्रस्तुत करता हैं । पहले, पतरस कहता है , **भविष्यद्वक्ता के तौर पर** भविष्यवाणी मसीह का पुनरूत्थान (दाऊद ने मसीह के विषय में बहूत सारी बातें भविष्यद्वाणी की है) और दुसरा कि ***परमेश्वर ने उस से शपथ लेकर कसम खाई है*** कि मसीह उसके घराने में से आएगा । दाऊद के साथ वायदा 2 **शमुएल** 7 में पाई जाती है । संदर्भ है कि दाऊद ने खुद ही एक घर बनाया और तब परमेश्वर के लिए एक घर बनाना चहा तब तक परमेश्वर का वास दाऊद का तम्बू में ही हुआ करता था । परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद से बातें की और **पद** 11 में कहा दाऊद उसके लिए **एक घर बनाएगा** । यह सचमुच का घर नहीं परन्तु एक घराना को दीखाता हैं जिसका वंश बहुत समय तक टिकेगा । तब परमेश्वर मे दाऊद से वायदा की ***"जब तेरी आयु पूरी***

हो जाएगी , और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा, तब मै तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर रखूंगा मै उसका पिता ठहरूंगा , और वह मेरा पूत्र ठहरेगा"। **पद** 12-14 **क**) । वास्तव में, सुलेमान बैठा और परमेश्वर का घर (मंदिर) बनाया लेकिन सिंहसन यह वायदा उसके अपने ही बेटे के लिए नहीं था । सिंहासन और राज्य का यह वायदा **सर्वदा** के लिए कहता है ; यह वायदायुक्त पुत्र के विषय में कहता है जो **पिता** का पुत्र है ! तब 16 **पद** है परमेश्वर वायदा को सुदृड़ करता है ***"वरन तेरा घराना आव्र तेरा राज्य मेरे साम्हने सदा अटल बना रहेगा ; तेरी गद्दी सदैव बनी रहेगी"***।

राजा जिसको परमेश्वर सिय्योन में खड़ा करेगा

भजनसंहिता 2 में दाऊद मसीह के विषय में भविष्यद्वाणी करता है । सारी जाति परमेश्वर और उसके **"अभिषिक्त ले विरोध"** हुल्लड़ मचाते है **पद** 1-3 । परमेश्वर का जवाब है कि पहला हँसेगा , तब ठट्टा में उड़ाएगा , फिर परमेश्वर विद्रोही राष्ट्रों के विरोध खड़ा होगा और कहेगा ***"मै तो अपने ठहराए हुए राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर बैठा चुका हूँ"*** (**पद** 6) । मसीह का वायदा, आनेवाला महान शासक का वायदा (शिलोह) अब आकार ले रहा है । परमेश्वर यह राजा को उठाने वाला है और इस राजा को राजगद्दी पर बैठानेवाला हैं ।

परमेश्वर का पुत्र

तब **पद** 7 में, मसीह जवाब देता है ***"मै उसका वचन प्रचार करूंगा ; जो यहोवा ने मुझ से कहा, तू मेरा पुत्र है"***। राजा जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की है सिय्योन की राजगद्दी पर बैठाएगा और वही वायदा किया पुत्र ठहरेगा ।

बह जो उत्तराधिकार प्राप्त करेगा

तब 8 **पद** में पुत्र को उत्तराधिकार का वायदा करता है ***"मै जाति-जाति के लोगों को तेरी सम्पति होने के लिए और दूर दूर के लोगों को तेरी निज़ भूमि बनने के लिए दे दूँगा ।"*** यह पुष्टि होता है ***"जब तक कि वह अपने बैरियों को अपने पावों तले न ले आए , तब तक उसका राज्य करना अवश्य है ।"*** 1 **कुरिन्थियों** 15: 25 ।

राजा / याजक

भजनसंहिता 110 : 4 में दाऊद तब प्रगट करता है कि यह शासन करनेवाला राजा वास्तव में ***"मल्किसिदेक की रीति पर सर्वदा याजक ठहरेगा"*** यह **जकर्याह** 6: 11-13 में पुष्टि होता है जहाँ महायाजक यहोशूवा मुकुट पहिने राजगद्दी पर विराजमान होकर प्रभुता करगा ; वह वही है जो **यहोवा का मंदिर बनाएगा** । निश्चय यीशु ने यह और सारी भविष्यद्वाणी जो मसीह के ऊपर की थी पूरी हुई ।

<u>मेसायाह ही मसीह है वह हमारे अंदर है</u>

मेसायाह की समझ पुरानी नियम से होती है । यशायाह 9 : 6-7 में, एक जन्मते हुए बालक का भविष्यद्वाणी है, ***"क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया ; और प्रभुता उसके कंधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्तिकरनेवाला पराक्रमी परमेश्वर ,अनंत काल का पिता, और शांति का राजकुमार रखा जाएगा । उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शांति का अंत न होगा ,इसलिए वह उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिए न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए और संभाले रहेगा । सेनाओं के यहोवा की धर्म के द्वारा यह हो जाएगा ।"*** फिर वह पुत्र है जिसको परमेश्वर ने दी जो शासन करनेवाला राजा है और उसका राज्य सर्वदा बढ़ती जाएगी । पुराने नियम में बहुत सारी और भी मसीह की सार्मथशाली वायदाएँ है (विशेष **दानिय्येल** की पुस्तक में) । पतरस ये सारे भविष्यद्वाणीयों मे बढ़ा और उसकी पीढ़ी मसीह की धुन में मसीह के रूप में लगा रहा और उसी समय में आगमन की आशा में रही । हम जानते है पतरस का भाई अन्द्रियास बपतिस्मा देनेवाला यूहन्ना का शिष्य था और जैसे ही अन्द्रियास यीशु से मिला वह जाकर पतरस से मिला और उस यीशु के लाया । (**यूहन्ना** 1: 40–42)

<u>कलीसिया प्रकाश में बनी हई है कि यीशु कौन हैं</u> !

जब पतरस ने यीशु को उत्तर दिया **मत्ती** 16 में वह यीशु की बुलाहट में प्रेरित बन चुका था (**मत्ती** 10) । जैसे ही उसने यीशु को पहचाना और कहा ***कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है*** । यीशु ने उसको उत्तर दिया, ***"कि हे शमौन योना के पुत्र , तू धन्य है; क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं , परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है "***। **मत्ती** 16 : 16–17 । यीशु बहुत चकित हुआ और प्रभावित हुआ और एक अद्भुत अनुभूति महसुस हुई हो कि किसी को तो मालुम हुआ कि वह कौन हैं ! यीशु ने जबाब देकर कहा, ***"और मैं भी तूझ से कहता हं, कि तू पतरस है; और मै इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनांउगा ; और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे" पद*** 18 । किसी की प्रकाश पुरानी नियम की भविष्यद्वाणी की समय से हुई , **यीशु कौन है**, जिससे यीशु घोषणा कर सका कि वह अब कलीसिया निर्माण कर सकता है, परमेश्वर का घर । याद रखिए मसीह के विषय में भविष्यद्वाणीयाँ सम्मिलित है कि वह परमेश्वर का घर निर्माण करेगा और दाऊद को दिया हुआ शपथ भी सम्मिलित हुआ कि वायदायुक्त पुत्र केवल राजा ही नही करेगा बल्कि परमेश्वर का भी निर्माण करेगा । आगे मसीह राजा और याजक होगा मल्किसिदेक की रीति पर ।

<u>एक गहरी मसीह की प्रगटिकरण</u>

मसीह शब्द नयाँ नियम में 550 से भी अधिक बार प्रगट हैं । यदि हम नयाँ नियम को दोबारा पढ़े **मसीह** (**क्राईष्ट**) की जगह **मेसायाह** रखकर अथवा कम से कम **मसीह** शब्द पढ़ते समय वचन वायदा युक्त पुत्र मसीह को सम्बोधन कर रहा है जो राजगद्दी पर चढ़ा (अब स्वर्गीय सिय्योन में हैं), सब अधिकार और सामर्थ पाकर , तब से राज और अधिकार करता है, तभी हम उसके कलीसिया की नाई महान अधिकार के नाप अनुसार चलेंगे और विजयी होंगे । यीशु जब से चढ़ा तब से मेसायाह बनकर सिंहासन बैठकर राज कर रहा

है । पतरस ने वह तथ्य घोषित किया कि यिशु ***परमेश्वर के दहिने हाथ जा बैठा*** प्रत्यक्ष हैं कि पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा उंडेल दिया (**प्रेरित** 2: 33) । यशायाह ने घोषना की कि वह राजगद्दी चढ़ने के बाद , उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी (**यशायाह** 9: 7) । जैसे हम ने प्रकाश पाई है कि **यीशु कौन है** , सुसमाचार का समझ में उग्र सुधार आई हैं और प्रर्थना के जिवन में जागृति आई हैं । 550 से अधिक बार हमारे पास मेसायाह (मसीह) उल्लेख हैं और वचन घोषना करता हैं कि वह हमारे अंदर हैं । कितनी अद्भुत बात है वह ! ***"मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहाता है"*** **कुलुस्सियों** 1: 27 ।

वह मसीह ही है जिसके पास स्वर्ग और पृथ्वि का सारा अधिकार हैं (**मत्ती** 28: 18) जिसने हमें प्रेरित बनाकर भेजा और प्रेरितीय कलीसिया बनाकर सारे राज्यों में चेलें बनाने के लिए, उन्हें पिता के नाम में और पुत्र के नाम में और पवित्र आत्मा के नाम में, जो नाम प्रगट किया गया, और यीशु के सारे आज्ञाओं को मानना सिखाने के लिए ।

विदेशी यात्राएँ

भारत / पाकिस्तान : पास्टर पिटर डे-ब्रेसेक और निकोलास जेक्शन रवाना होंगे 28 मई,
विशाखापट्नम में सेवाकाई 31 मई से 2 जून तक
और फिर लाहौर और फैसलाबाद पाकिस्थान में 4 से 18 जून तक ।

पश्चिम अफ्रिका : प्रस्तावित दौरा सितम्बर के अंत में पावल और टीम ।

प्रर्थना विषय : प्रेरित पिटर एकेक पश्चिम केनयाँ से रवाना होंगे 18 मई को यात्रा करने के लिए एस सल्लाम होते हुए पश्चिम टान्जानियाँ के छोर तक सेवाकाई करने के लिए दो सप्ताहों के लिए एक क्गोलिय शरणार्थी शिविर में । यह एक उष्णतापूर्वक और जोखिमपूर्ण दौरा है परन्तु शिविर में बहुत ही उत्सुकता के साथ ग्रहण किया जाता हैं और फलदायक होकर पिटर 7 जून को लौटेंगे । वह पैसे भी लेकर जाएंगे माध्यमिक पाठशाला के 200 से अधिक बच्चों के लिए फिस चुकाने के लिए नहीं तो वे शिविर के गलियों में आ जाएंगे ।